

आपके संकल्प फलीभूत होंगे ही होंगे

एक अनुभव के साथ हम ये बात आपके सामने रखते हैं कि एक बार एक परिवार टूटकर पर गया था। उस परिवार के एक सदस्य के मन में एक संकल्प आया कि हमारे परिवार में सभी अपना-अपना बॉडी चेकअप बीच-बीच में कराते रहे हैं। मैं भी चाहता हूँ कि मेरा एक बार बॉडी चेकअप होना चाहिए। बस ये एक संकल्प था, और ये डेढ़-दो महीने पहले ऐसे ही चलते फिरते कर लिया था। अब देखिये इससे हुआ क्या।

एक दिन उनको कहीं पर थोड़ी सी सेवा करने के लिए कहा गया। सेवा में कुछ वजन उठाने का काम था। अब कई बार जब व्यायाम आदि या कसरत नहीं करते हैं तो शरीर थोड़ा स्टिफ (अकड़ा सा) हो जाता है। अब हुआ ये कि सुबह उन्होंने थोड़ी सेवा की, और बाद में



घर जाने के बाद थोड़ा रेस्ट किया होगा। रेस्ट करने के बाद जब वो उठे तो उनका बायां हाथ उठ नहीं रहा था। उसमें बहुत दर्द था। काफी देर हल्का-फुल्का मसाज करने के बाद भी वो दर्द जैसा का तैसा बना रहा। परिणामस्वरूप जब उन्होंने अपने घर में किसी

को बताया तो घर वाले परेशान हो गये कि बायें हाथ में दर्द होना माना कोई हार्ट की परेशानी तो नहीं है! अब पूरा घर परेशान कि डॉक्टर के पास ले चलो, जल्दी करो, इसमें देर नहीं करनी चाहिए। इतने में सब उनको हॉस्पिटल ले गये। हॉस्पिटल में डॉक्टर ने पूरा बॉडी चेकअप किया, हार्टबीट चेक किया, ईसीजी किया, फिर भी कुछ नहीं निकला। नतीजा ये हुआ कि डॉक्टर भी हैरान कि भई, कैसे हाथ में दर्द हो रहा है

आखिर! सबकुछ तो देख लिया, हार्ट भी आपका ठीक है, शरीर बिल्कुल ठीक चल रहा है। फिर थोड़ी देर बाद उनको याद आया कि सुबह मैंने थोड़ा वजन उठा लिया था, उसकी वजह से मेरे हाथ में दर्द उठा। डॉक्टर ने पेन किलर दिया और वे वापस चले आये। अब हम इसको आध्यात्मिकता

की तरफ लेकर समझते हैं। इसमें कुछ नहीं हुआ, सिर्फ उन्होंने टूटकर पर जाते हुए एक संकल्प किया था कि मेरा ईसीजी एक बार हो जाता, घर वालों का हुआ है कई बार, सिर्फ मेरा नहीं हुआ। वो संकल्प फलीभूत हो गया दो महीने बाद। ये है मन की शक्ति। अब हम

मन एक नदी भी है, नलकूप भी है और महासागर भी है। लेकिन इसकी स्थिति और परिस्थिति को समझना थोड़ी सी टेढ़ी खीर है। कुछ हद तक माना जा सकता है कि हम मन को नलकूप की तरह यूज करते हैं, नदी की तरह यूज करते हैं या महासागर की तरह यूज करते हैं, ये हमारे हाथ में है। संसार का प्रत्येक मानव अपने हिसाब से मन का इस्तेमाल करता है और उलझा या सुलझा रहता है।

आपको बताना चाहेंगे कि अगर आपने मजाक में भी कोई संकल्प कर लिया, तो वो निश्चित रूप से होकर रहेगा। चाहे कोई बड़ा संकल्प है या बहुत छोटा संकल्प है, होगा ही होगा। अब यहाँ पर समस्या यह है कि हम दिन भर ऐसा कुछ न कुछ सोचते ही रहते हैं कि ऐसा हो गया तो, ये हो गया तो, वो हो गया तो! वो संकल्प इकट्ठे होते रहते हैं और हमारे सामने बीच-बीच में समस्या के रूप में आते रहते हैं। हम सोचते हैं कि ऐसा कैसे हो गया, ऐसा तो मैंने सोचा नहीं था। लेकिन आपने ऐसा सोचा जरूर है, आपको याद नहीं है। इसलिए बहुत सावधान हो जाओ। आपके सामने जो आज की परिस्थिति है, वो कभी न कभी आपके द्वारा सोची गई चीजों का परिणाम है। और ये सार्थक है, निरर्थक नहीं है। क्योंकि सार्थक और निरर्थक मन समझता ही नहीं। वो तो सिर्फ ये समझता है कि आप क्या सोच रहे हैं। तो ऐसे मन की शक्ति का सही इस्तेमाल करो, ना कि कुछ भी सोचो।



भरतपुर-राज. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए नगर निगम मेयर शिव सिंह भोट, आयुर्वेद विभाग उपनिदेशक निरंजन सिंह, एडिशनल एस.पी. डॉ. मूलचंद राणा, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. कविता, ब्र.कु. भावना, सादाबाद, ब्र.कु. बबीता तथा अन्य।



दिल्ली-नांगलोई। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर ब्रह्माकुमारी द्वारा सूरजमल स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए चेयरमैन विनय रावत, विधायक सुखवीर सिंह दलाल, आई.एन.ओ. दिल्ली के अध्यक्ष डॉ. युधिष्ठिर, एम.डी. आयुर्वेद आचार्य गोपाल कृष्ण, ब्र.कु. आदेश, ब्र.कु. कौकिला तथा अन्य।



भादरा-राज. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर प्रशासन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में योग के विषय में बताने के पश्चात् एस.डी.एम. सुखराम पिंडेल को ओमशान्ति मीडिया पत्रिका भेंट करते हुए ब्र.कु. चन्द्रकांता। साथ है योगाचार्य रामचन्द्र खीचड़।



समस्तीपुर-बिहार। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित 'शान्ति और खुशी के लिए राजयोग' विषयक कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए डी.एम. चन्द्रशेखर सिंह, एस.डी.एम. अशोक कुमार मंडल, ए.डी.आर.एम. सन्तराम मीणा, जिला परिषद अध्यक्ष प्रेमलता, सुधा डेयरी के एम.डी. डी.के. श्रीवास्तव, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सविता, ब्र.कु. कृष्ण तथा अन्य।



वधाना-राज. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर प्रशासन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में योगाभ्यास कराने के पश्चात् चित्र में ब्र.कु. सुनीता, उपखंड अधिकारी संतोष मीणा, नगरपालिका अध्यक्ष ओमप्रकाश कोली तथा अन्य।



जमशेदपुर-झारखण्ड। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए योगा ट्रेनर एन.सी. गोरई, ब्र.कु. संजू, मारवाड़ी मंच महामंत्री अशोक मोदी, विधायक लक्ष्मण टूडू तथा अन्य।

ओमशान्ति मीडिया वर्ग पहेली-20 (2018-2019)

1				2	3		4		5
			6					7	
		8					9		
	10						11		12
13				14					
15							16		17
						18			
	19						20	21	
			22	23			24		
25			26						27

ऊपर से नीचे

- बच्चे तो...के रूप होते हैं, सन्यासी (3)
- हवाई जहाज, हवा में उड़ने वाली मशीन (3)
- हया, शर्म (2)
- पुरुषार्थ, बिगर...के तकदीर नहीं बनेगी (4)
- पिता, वैराग्य वृत्ति वाला राजा (3)
- पृथ्वी को ऊपरी सतह, भूतल (4)
- रोग, मर्ज (3)
-ना लो, बदलकर दिखाओ (3)
-तू जग कल्याणी, महिला (2)
- आदि पिता,.....को खुदा मत कहो (3)
- दुष्ट, आसुरी प्रवृत्ति वाला (2)
- प्रजाति, सजाति, गोत्र (4)
- युक्ति, कोटि-कोटि मुनि...कराही (3)
- याद, ध्यान, स्मृति (4)
- ओ बाबा आपने.....कर दिया (3)
- समस्या, विषय, मुद्दा (3)
- उम्मीद, इच्छा, विश्वास (2)
- सृष्टि में मुख्य युगों की संख्या (2)

बाएं से दाएं

- श्रेष्ठ, उच्च, विशाल (3)
- विदेश, परदेश (4)
- समूह, समुदाय, गोष्ठी (3)
- साक्षात्कार, दिखाई देने वाला रूप (3)
- सृष्टि की आदि रचना आदम और...हैं (2)
- बहुत जल्दी बाबा को...जाने वाली है (3)
- प्रताड़ित करना, हनन करना (3)
- लत, स्वभाव, प्रकृति (3)
- खबर देने वाला, सूचक (3)
- बिचौलिया, मध्यस्थ (3)
- कुल, घराना, जाति (3)
- उधार, ऋण (2)
- नष्ट, विनाश, समाप्त (3)
- आचरण, तौर तरीका, चाल-चलन (3)
- आपस में.....नहीं रस करो (2)
- ताकत, शक्ति (2)
- मुझे अपनी...में ले लो राम, पनाह (3)
- फायदा, नफ़ा (2)

वर्ग पहेली उत्तर

पहेली - 4	पहेली - 5	पहेली - 6	पहेली - 7
दिसम्बर - 1	दिसम्बर - 2	जनवरी - 1	जनवरी - 2
ओम - 17	ओम - 18	ओम - 19	ओम - 20
2018-2019	2018-2019	2018-2019	2018-2019
<p>ऊपर से नीचे</p> <ol style="list-style-type: none"> परिवार, 2. बर्तन, 3. जान, 4. आशीर्वाद, 5. कयामत, 6. पद, 9. अष्ट, 11. बद, 12. दुश्मन, 14. रस, 16. खानियां, 18. खबरदार, 19. खलास, 20. बदनसीब, 22. सीरत, 25. घराना, 26. लाश, 27. सब। <p>बायें से दायें</p> <ol style="list-style-type: none"> बजाना, 4. आशिक, 6. परिवर्तन, 7. खुशी, 8. दवा, 10. रब, 12. दुष्ट, 13. दवात, 15. सखा, 17. नख, 19. खराब, 21. निवासी, 23. बदला, 24. सघन, 27. सत, 28. दाल, 29. राशी, 30. शराब, 31. जनाब। 	<p>ऊपर से नीचे</p> <ol style="list-style-type: none"> रस, 4. फारिग, 5. नवाज, 7. मीनार, 10. कम, 11. कायम, 12. साख, 13. डग, 14. रुण्य का पानी, 16. नख, 17. परदेश, 18. विधाता, 19. औजार, 20. तन, 24. कसम, 25. जन, 26. नादान, 27. देन, 28. खान, 29. सारी। <p>बायें से दायें</p> <ol style="list-style-type: none"> ईश्वर, 3. तूफान, 6. खामी, 8. सगा, 9. रिवाज, 11. कागज, 12. सार, 13. डमरु, 15. मन, 19. औकात, 21. खबर, 22. जापान, 23. देवता, 24. करनी, 25. जनादेश, 28. खानदान, 29. साया, 31. मधुबन, 32. मुरीद। 	<p>ऊपर से नीचे</p> <ol style="list-style-type: none"> पनाह, 2. वाहन, 4. रकम, 5. नाक, 6. धीरज, 8. दरकार, 10. नजदीक, 12. हमसाफर, 13. हथियार, 15. नफरत, 18. सफलता, 19. कामजीत, 20. उलाहना, 21. दशा, 24. जरा। <p>बायें से दायें</p> <ol style="list-style-type: none"> परवाह, 3. मुरझाना, 7. कद, 9. हनन, 11. रहम, 13. हजम, 14. मणका, 15. नदी, 16. फक, 17. फल, 18. सरकार, 20. उस्ताद, 22. तरफ, 23. महज, 25. वीरता, 26. तम, 27. नाराज़। 	<p>ऊपर से नीचे</p> <ol style="list-style-type: none"> स्वर्ग, 2. महात्मा, 3. तलाश, 4. निडर, 5. मंथन, 6. आराधना, 8. हथियार, 10. नौका, 13. मकान, 14. साजन, 15. आन, 16. राजधानी, 20. अशारीरी, 21. नकल, 22. वर, 24. दिल, 26. घोर। <p>बायें से दायें</p> <ol style="list-style-type: none"> स्वराज्य, 2. मजबूत, 6. आत्मा, 7. शहर, 9. रथ, 11. धरा, 12. कामयाबी, 15. आना, 17. कार, 18. जबान, 19. जहान, 21. नवधा, 23. नाश, 25. करनीघोर, 27. हालचाल, 28. नारी।